

आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन

गोहना, 18 मार्च (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता उक्त केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्चमरीलता संस्कृति को बनाए रखना है। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता एम एस ई मंत्रालय, नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार ने सिरकत कर उपस्थित छात्राओं को संबोधित किया।

ਯੋਜਨਾਬੁਦ्ध ਪਰਿਵਰਤਨ ਕੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਿਸਮਾਂ ਹਨ ਰਘਨਾਲੁਕਤਾ ਔਰ ਨਵਾਚਾਰ : ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ

ਗੋਹਨਾ, 18 ਮਾਰਚ (ਅਰੋਡਾ): ਬੀ.ਪੀ.ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦਾਲਾਯ ਕੇ ਸੈਂਟਰ ਫਾਰ ਸਟਾਰਟਅਪ ਇਨੋਵੇਸ਼ਨ ਏਂਡ ਇੰਕ੍ਯੂਬੇਸ਼ਨ ਦ੍ਰਾਗ ਮੰਗਲਕਾਰ ਕੇ ਏਕ ਦਿਵਸੀਂ 'ਇੰਜਨ ਟੀ ਏਕਸਪੋ 2025 ਆਇਡਿਆ ਜੈਨਰੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ' ਆਯੋਜਿਤ ਕੀ ਗਈ।

ਅਧਿਕਾਰੀ ਡਾਂਡੀ. ਅੰਸ਼ ਭਾਰਦਾਜ ਨੇ ਕੀ। ਮੁਖ ਵਕਤਾ ਕੇਂਦ੍ਰ ਸਰਕਾਰ ਕੇ ਏਮ.ਐਸ.ਐਸ. ਮੰਤਰੀ ਮੰਤਰਾਲਾਯ ਕੇ ਅਸਿਸਟੈਂਟ ਡਾਈਰੈਕਟਰ ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਰਹੇ।

ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਔਰ ਨਵਾਚਾਰ ਯੋਜਨਾਬੁਦਧ ਪਰਿਵਰਤਨ ਕੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਿਸਮਾਂ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹੇ ਉਦਘਾਮੀ ਅਪਨੇ ਵਾਅਕਾਵਾਂ ਦੇਣੇ ਕੇ ਲਿਏ ਸਕਿਤ ਰੂਪ ਸੇ ਤਲਾਸ਼ ਕੇ ਹਨ। ਵਾਅਕਾਵਾਂ ਏਕ ਰਚਨਾਤਮਕ ਗਤਿਵਿਧੀ ਹੈ। ਤਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਜ ਵਾਅਕਾਵਾਂ ਮੱਦੂਸ਼ ਸਾਡੇ ਸੱਭਾਗ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਸਮਸਥਾਓਂ ਕੇ ਲਿਏ ਨਾਲ ਸਮਾਧਾਨ ਢੁੰਢਨਾ ਔਰ ਬਦਲਾਵ ਕੇ ਲਿਏ ਨਾਲ ਨਵਾਚਾਰ ਕੀ ਆਵਾਜ਼ ਕੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਬੌਦਧਿਕ ਸੰਪਦਾ



ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦਾਲਾਯ ਮੰਨੇ ਹੁੰਦੇ ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾਵਾਂ ਕੀ ਵਿਜੇਤਾ ਛਾਤ੍ਰਾਂ।

(ਅਰੋਡਾ)

ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀ ਬਦਲੀ ਸਮਸਥਾ ਨੇ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਸੇ ਸੋਚਨੇ ਕੀ ਕਿਯਾ ਮਜ਼ਬੂਰ

ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਪਰ ਬੋਲਤੇ ਹੋਏ ਕਿ ਬਦਲੀ ਸ਼ਾਹੀਕਰਣ ਔਰ ਤੁਸਕੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਸੇ ਨਿਰਾਤਰ ਬਦਲਾਵ ਕੀਵਨਸੈਲੀ ਨੇ ਆਧੁਨਿਕ ਸਮਾਜ ਕੇ ਸਮੁੱਖ ਘਰੇਲੂ ਤਥਾ ਔਦ੍ਯੋਗਿਕ ਸ਼ਤਰ ਪਰ ਤੁਤ੍ਪਨ ਹਾਨੇ ਵਾਲੇ ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਕੇ ਤਚਿਤ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀ ਗੱਭੀਰ ਚੁਨੌਤੀ ਪ੍ਰਸ਼ੁਤ ਕੀ ਹੈ। ਵਰ਷-ਦਰ-ਵਰ਷ ਨ ਕੇਵਲ ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਕੀ ਮਾਤ੍ਰਾ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਬਲਿਕ ਪਲਾਸਟਿਕ ਔਰ

ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਸਾਮਗ੍ਰੀ ਕੀ ਬਦਲੀ ਹਿੱਸੇਦਾਰੀ ਕੇ ਸਾਥ ਠੋਸ ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਕੇ ਸ਼ਵਲੁਪ ਮੰਨੇ ਹੋਏ ਬਦਲਾਵ ਨਜ਼ਰ ਆ ਰਹਾ ਹੈ। ਤਨਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹਾਲਾਂਕਿ ਅਪਾਰਿ਷ਟ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀ ਬਦਲੀ ਸਮਸਥਾ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਕੋ ਇਸ ਵਿ਷ਯ ਪਰ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਸੇ ਸੋਚਨੇ ਕੀ ਕਿਯਾ ਹੈ।

ਕਾਰ੍ਬੋਨ ਕੇ ਸੱਗਠਨ ਸਚਿਵ ਡਾਂਡੀ. ਏ.ਪੀ. ਨਾਯਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਏਗ੍ਰੀਕਲਚਰ ਸਾਇੰਸ ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ ਮੰਨੇ

ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਅੱਖਿਨ, ਬੇਸਿਕ ਸਾਇੰਸ ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ ਮੰਨੇ ਤਮਨਾ, ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਏਂਡ ਟੈਕਨੋਲੋਜੀ ਮੰਨੇ ਹਿਮਾਂਸੀ, ਹੈਲਥ ਸਾਇੰਸ ਮੰਨੇ ਦੀਕਾ, ਸੋਸਾਲ ਸਾਇੰਸ ਮੰਨੇ ਤਨੀਥਾ ਤਥਾ ਇੰਟਰ ਡਿਸਿਪਲਿਨਰੀ ਮੰਨੇ ਵਿਜੇਤਾ ਪ੍ਰਥਮ ਸਥਾਨ ਪਰ ਰਹੀ। ਪ੍ਰਤਿਯੋਗਿਤਾ ਮੰਨੇ ਨਿਰਾਧਿਕ ਕੀ ਭੂਮਿਕਾ ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ, ਡਾਂਡੀ. ਸੁਮਨ ਕੁਹਾਡ, ਡਾਂਡੀ. ਪ੍ਰਮੋਦ ਮਲਿਕ, ਡਾਂਡੀ. ਸੁਨੀਤਾ ਔਰ ਡਾਂਡੀ. ਜਿਤੋਤੀ ਨੇ ਨਿਭਾਈ।

ਅਧਿਕਾਰੀ ਕੇ ਵਿਭਿਨਨ ਪ੍ਰਕਾਰੋਂ ਜੈਸੇ ਪੋਟੈਂਟ, ਕਾਂਪੀਗਾਇਟ, ਟ੍ਰੈਡਮਾਰਕ, ਵਾਅਕਾਵਾਂ, ਰਹਸ਼ਾਂ, ਔਦ੍ਯੋਗਿਕ ਤਿਜਾਇਨ, ਭੈਗੋਲਿਕ ਇੰਡਿਕੇਸ਼ਨ ਕੇ ਬਾਰੇ ਮੰਨੇ ਵਿਸ਼ਾਵਾਂ ਸੇ ਚੰਗਾ

ਕੀ। ਤਨਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੋਟੈਂਟ ਕੀਸੀ ਆਵਿਖਕਾਰ ਕੋ ਸੁਰਕਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ, ਜਿਸਦੇ ਆਵਿਖਕਾਰਕ ਕੋ 20 ਸਾਲ ਤਕ ਤਨਾਂ ਆਵਿਖਕਾਰ ਕੋ ਬਣਾਨੇ, ਤਹਿਤ ਕਰਨੇ

ਵਾਅਕਾਵਾਂ ਕੀ ਅਧਿਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਤਾ ਹੈ ਤਥਾ ਕਾਂਪੀਗਾਇਟ ਸਾਹਿਤਿਕ ਔਰ ਕਲਾਤਮਕ ਕਾਰ੍ਬੋਨ, ਜੈਸੇ ਕਿਤਾਬਾਂ, ਸੰਗੀਤ, ਚਿਤ੍ਰ ਕੀ ਅਭਿਵਧਕਿਤ ਕੀ ਸੁਰਕਾ ਕਰਦਾ ਹੈ।

योजनाबद्ध परिवर्तन की किस्में हैं रचनात्मकता और नवाचार



गोहाना मुद्रिका एप, 18 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय "इंजन टी एक्सपो 2025 आइडिया जेनरेशन प्रतियोगिता" आयोजित की गई। अध्यक्षता सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। मुख्य वक्ता केंद्र सरकार के एम.एस.एम.ई. मंत्रालय के असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार रहे।

सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है।

उन्होंने कहा कि आज व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूँढ़ना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूँजी का हिस्सा हैं।

सतीश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न प्रकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, व्यापार रहस्य, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक इंडिकेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पेटेंट किसी आविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आविष्कारक को 20 साल तक उस आविष्कार को बनाने, उपयोग करने या बेचने का अधिकार प्राप्त होता है तथा कॉपीराइट साहित्यिक और कलात्मक कार्यों, जैसे किताबें, संगीत, चित्र

की अभिव्यक्ति की सुरक्षा करता है।

सतीश कुमार ने अपशिष्ट पर बोलते हुए कहा कि बढ़ते शहरीकरण और उसके प्रभाव से निरंतर बदलती जीवनशैली ने आधुनिक समाज के सम्मुख घरेलू तथा औद्योगिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की गंभीर चुनौती प्रस्तुत की है। वर्ष-दर-वर्ष न केवल अपशिष्ट की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, बल्कि प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती हिस्सेदारी के साथ ठोस अपशिष्ट के स्वरूप में भी बदलाव नज़र आ रहा है।

उनके अनुसार हालांकि अपशिष्ट प्रबंधन की बढ़ती समस्या ने देश को इस विषय पर नए सिरे से सोचने को मज़बूर किया है और इस संदर्भ में कई तरह के सराहनीय प्रयास भी किये जा रहे हैं, परंतु इस प्रकार के प्रयास अभी तक देश भर में व्यापक स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या से निपटने के लिये अपनी उपयोगिता साबित करने में नाकाम रहे हैं।

कार्यक्रम के संगठन सचिव डॉ. ए.पी. नायक ने बताया कि एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमना, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा, सोशल साइंस में तनीषा तथा इंटर डिसिप्लिनरी में विजेता प्रथम स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता और डॉ. ज्योति ने निभाई।

आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता में अशिवन समेत 6 छात्राएं रहीं विजेता



गोहाना. विजेता छात्राओं के साथ निर्णयक मंडल के सदस्य।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय इन्जेन-टी एक्सपो-2025 आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विवि में उद्यमशीलता संस्कृति को बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न विषयों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

इस दौरान एग्रीकल्चर साइंस में छात्रा अशिवन, बेसिक साइंस में तमन्ना, इंटर डिसीप्लीनरी में विजेता, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा व सोशल साइंस में तनीषा विजेता रहीं। प्रतियोगिता में निर्णयक मंडल की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता व

डॉ. ज्योति ने निभाई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अंशु भारद्वाज ने की, जबकि एमएसएमई मंत्रालय, नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार मुख्य वक्ता रहे। सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। आज व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूँढ़ना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूँजी का हिस्सा हैं। इस मौके पर कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. एपी नायक भी मौजूद रहे।

व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है : सतीश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फार स्टार्टअप इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन द्वारा इंजेनटी एक्सपो 2025 आइडिया जेनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से सहायक निदेशक सतीश कुमार ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए तलाशते हैं।

व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूँढ़ना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की



सतीश कुमार को पुष्ट गुच्छ भेट करते डा. अंशु भारद्वाज व डा. एपी नायक ●

क्षमता, बौद्धिक पूँजी का हिस्सा हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र की नोडल अधिकारी डा. अंशु भारद्वाज ने की। डा. एपी नायक ने बताया कि एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमन्ना, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा, सोशल साइंस में तनीषा और इंटर डिसिप्लिनरी में विजेता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुलपति ने शैक्षणिक व्यवस्था से राज्यपाल को अवगत कराया

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने राज्य के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय से हरियाणा राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। कुलपति ने तीन साल के लिए दोबारा उन पर विश्वास जताने के लिए कुलाधिपति का आभार व्यक्त किया।

कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की वित्तीय एवं शैक्षणिक व्यवस्था से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए पहले से स्थापित यूनिवर्सिटी सेंटर फार कॉम्प्यूटिटिव एजाम के अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आईएएस की निश्शुल्क तैयारी के लिए योजना पर काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, खेल व अन्य गतिविधियों के माध्यम से 7000 ग्रामीण प्रतिभा को निखारने



राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से भेंट करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। सौ. प्रवक्ता

का काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी इंजीनियरिंग कोर्स के लिए नेशनल बोर्ड आफ एक्रीडेशन, टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट से मान्यता के लिए और चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम एन सीटीई द्वारा मान्यता के लिए प्रोसेस में है। राज्यपाल ने सरकार की तरफ से विश्वविद्यालय को प्रगति यात्रा में जरूरी सहयोग का आश्वासन दिया।

बेसिक विज्ञान प्रतियोगिता में तमन्ना रही विजेता



गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की ओर से इन्जेन टी एक्सपो 2025 आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एमएसएमई मंत्रालय से सहायक निदेशक सतीश कुमार पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सचिव डॉ. एपी नायक ने बताया कि कृषि विज्ञान प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन विजेता रही। बेसिक विज्ञान प्रतियोगिता में तमन्ना विजेता रही। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में हिमांशी, स्वास्थ्य विज्ञान में दीक्षा, सामाजिक विज्ञान में तनीषा और इंटर डिसीप्लनरी में विजेता ने बाजी मारी। संवाद

एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता

व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार जरूरी

हरिगौम न्यूज»। गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उक्त केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. अंशु भारद्वाज ने की। उनके अनुसार इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विवि में उद्यमशीलता संस्कृति को बनाए रखना है। मुख्य वक्ता एमएसएम ई मंत्रालय, नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता व नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की



गोहाना। निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ विजेता छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

विशेष किस्मे हैं, जिन्हे उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं

के लिए नए समाधान ढूँढ़ना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूँजी का हिस्सा हैं। सतीश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न प्रकारों जैसे

प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं

कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सक्रेटरी डॉ. ए पी नायक के अनुसार एव्हाकल्प सङ्हित प्रतियोगिता में छात्र अधिक, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमाङ्गा, हार्जानियरिंग संड टेक्नोलॉजी में डिजाशन, हेल्थ साइंस में दीक्षा और सोशल साइंस में तवीषा तथा हंटर डिसिप्लिनरी में विजेता ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में विणायिक की मूलिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाङ, डॉ. प्रग्नाद मलिक, डॉ. सुवीता व डॉ. ज्योति ने लिमाई।

पेटेट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, व्यापार रहस्य, औद्योगिक डिजाइन, घौणोलिक इंडिकेशन के बारे में विस्तार से बात की। बताया कि पेटेट किसी आविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आविष्कारक को 20 साल तक उस आविष्कार को बनाने, उपयोग करने या बेचने का अधिकार प्राप्त होता है व कॉपीराइट साहित्यिक और कलात्मक

कायों जैसे किताबें, संगीत, चित्र की अधिव्यक्ति की सुरक्षा करता है। मुख्य वक्ता ने अपशिष्ट पर बोलते कहा कि बढ़ते शहरीकरण और उसके प्रभाव से निरंतर बदलती जीवनशैली ने आधुनिक समाज के सम्पुष्च घरेलू तथा औद्योगिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की गंभीर चुनौती प्रस्तुत की है।